>

Title: Issue regarding corruption involved in allocation of 2G Spectrum.

श्री शरद यादव (मधेपुरा): अध्यक्ष महोदया, देश का सम्पूर्ण बजट 11 लाख 18 हजार करोड़ रुपए का है और हिन्दुस्तान की जनता के 1 लाख करोड़ रुपए, टैलीकॉम डिपार्टमेंट की गलत नीतियों के चलते, बर्बाद हो गए। टैलीकॉम डिपार्टमेंट की नीतियों में कोई सामंजस्य नहीं है। प्रधान मंत्री कार्यालय की ओर से कहा गया कि बिना मशविरे के इस पॉलिसी को लागू न किया जाए, लेकिन पॉलिसी लागू कर दी गई। "पहले आओ और पहले पाओ" की नीति का सीधा अर्थ है कि "पहले आओ और खूब खाओ" . देश ही नहीं, दुनियां में इतना बड़ा घोटाले और लूट का कोई दूसरा इतिहास नहीं है। प्रणब बाबू चले गए। सिर्फ श्री जयपाल रेड्डी जी और पार्लियामेंट्री अफेयर्स मिनिस्टर बैठे हुए हैं। श्री जयपाल रेड्डी जी को इस विषय से कोई मतलब नहीं है।

महोदया, यह मामला दो प्रकार से है। एक तो टेलीफोन टैपिंग हुई है, वह अनुमति से हुई। भारत सरकार की जो होम मिनिस्ट्री है या और विभाग हैं जैसे आई.टी. है, उनकी अनुमति से यह काम हुआ है। अखबारों में खबर आ गई और टाटा ग्रुप ऑफ कंपनीज ने साफ कहा कि हमने किस बात के लिए मशीनरी को रखा हुआ है। यह भारत सरकार है, जो लोगों की चुनी हुई सरकार है। देश के सारे अखबारों में छप रहा है कि पब्लिक सर्विसेस, पब्लिक रिलेशन्स, बाजार की एक अजीब सर्विस आई हुई है। इस पर टैक्स लगा कि नहीं, मुझे नहीं मालूम। आप कह रहे हैं कि इस पर टैक्स नहीं है, तो मैं मान लेता हूं कि इस पर टैक्स नहीं लगा है।

महोदया, टाटा कंपनी सफाई दे देती है। इस देश का जो सबसे पुराना कॉर्पोरेट हाउस है, वह तो साफ कह देता है कि हमारा काम क्या है।

न्यायसंगत तरीके से कोई भी फैसला हर तरफ हो, लेविल प्लेइंग फील्ड हो। भारत सरकार इस पर एक शब्द बोलने को तैयार नहीं है। होम मिनिस्टर का बयान आज सवेरे आया है, सिर्फ गोल-गोल, गोल-गोल है और घपला ही घपला, घपला ही घपला है। यह कोई बात है? बोल बम तो अच्छी बात है और गोल बहुत खराब बात है। उन्होंने कल जो बयान दिया, जो आज छपा है, यह होता तो यह नहीं होता, यह हो सकता है, नहीं हो सकता है। अरे, यह हम कहें तो बात अलग है, लेकिन भारत सरकार कैसे कहेगी। सरकार जिसके हाथ में है, हर तरफ लोग लगे हुए हैं, हर तरफ भारत सरकार के हाथ में इस पार्लियामेंट ने, इस देश की जनता ने अधिकार दिया हुआ है।

नहीं, यह जो आदमी है, इसको टेलीकॉम डिपार्टमेंट का जो लॉ डिपार्टमेंट है, उसने कहा कि यह काम मत करो, उनके डिपार्टमेंट के जो सैक्रेटरी *(Interruptions) â€¦** थे, उन्होंने साफ कहा कि यह काम मत करो, यह गलत काम है। वाइस चेयरमैन ने भी कहा, फाइनेंस सैक्रेटरी ने कहा, लॉ मिनिस्टर ने कहा और हर मिनिस्ट्री में जो फाइनेंस का सदस्य होता है, *(Interruptions) â€¦** थे, उन्होंने कहा। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: अब आप समाप्त करिये।

श्री शरद यादव : 2G स्पैक्ट्रम। कुछ लोगों का ज्ञान जो होता है, वह ज्ञान हिन्दुस्तान में गंदगी दबाने के लिए होता है। तिवारी जी, आप जो पूछ रहे हैं, मैं वही पूछना चाहता हूं, मैं उसी पर बोल रहा हूं। इसका सरकार खंडन करे। आपकी सरकार के लॉ मिनिस्टर, आपके टेलीकॉम सैक्रेटरी, टेलीकॉम मिनिस्ट्री का फाइनेंस एडवाइज़र, आपके फाइनेंस डिपार्टमेंट का सैक्रेटरी, प्राइम मिनिस्टर, यह सब जानते हैं, लगातार दोनों के बीच में चिट्ठी-पत्री हुई है, इस विभाग के मंत्री और प्राइम मिनिस्टर के बीच में आधी रात को पत्र-व्यवहार होता रहा है, उसका एकनोलिजमेंट नहीं है। रात को 12 बजे ही नहीं, दो बजे हुआ। ...(व्यवधान)

श्री मनीष तिवारी (लुधियाना): 60 हजार करोड़ रुपया जो खाया है, उसका भी जिक्र कर दीजिए। ...(व्यवधान)

श्री शरद यादव : आप उसे उठाइये। सांच को आंच क्या।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: आप अपनी बात कहिये। अब आप समाप्त करिये।

श्री शरद यादव : मैं ताल ठोक कर कहता हूं, हमारा कोई घोटाला हो, एन.डी.ए. का हो तो उठाइये।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : शरद यादव जी, अब आप समाप्त करिये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : यह क्या हो रहा है? आप बैठ जाइये। अब आप समाप्त करिये। Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइये। अब आप समाप्त करिये।

श्री शरद यादव : अध्यक्ष जी, आप जानते हैं कि जब इस देश में मंत्रिमंडल बन रहा था, यह देश भर को मालूम है...(व्यवधान) अरे भई, बैठिये, आप क्या कर रहे हो। चलो, आप बोल लो। जब यहां मंत्रिमंडल बन रहा था...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप इधर सम्बोधित करिये। Please address the Chair. अब आप समाप्त करिये।

श्री शरद यादव : यह सब को अच्छी तरह मालूम है कि जो डी.एम.के. के नेता हैं, वे हमारे पुराने मित्र हैं।

वह मुख्यमंत्री हैं। वह सदन में नहीं हैं, इसलिए मैं उनका नाम नहीं ले रहा हूं। मंत्रिमंडल के गठन के समय वे दिल्ली से नाराज होकर वापस चले गए। क्यों? ...(व्यवधान)

SHRI T.K.S. ELANGOVAN (CHENNAI NORTH): He should not say that. That was for a different reason...(*Interruptions*)

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PLANNING AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI V. NARAYANASAMY): The DMK Members are not with them again...(*Interruptions*)

SHRI T.K.S. ELANGOVAN : Madam, what Shri Sharad Yadav is saying is not a fact. It is a mistaken fact...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : अब आप समाप्त करिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप अपना स्थान ग्रहण करिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब बैठ जाइए। आप समाप्त करिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप समाप्त करिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री शरद यादव : अध्यक्षा जी, वह कह रहे हैं कि यह फैक्ट नहीं है। ...(व्यवधान) मैं आपकी बात मानता हूं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : शरद यादव जी, अब आप समाप्त करिए। आपने दस मिनट ले लिया। जीरो आवर में इतना समय नहीं लेते हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री शरद यादव : अध्यक्षा जी, जो कह रहे हैं, मैं आपकी बातों को को मानता हूं कि वह फैक्ट नहीं है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ठीक है, अब आप समाप्त करिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री शरद यादव : छोड़िए उसको। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप अपना स्थान ग्रहण करिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री शरद यादव : महोदया, मैं अंत में दो बात कहना चाहता हूं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : जल्दी से अपनी बात कहिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री शरद यादव : इसी वजह से चार राजनैतिक लोगों का फोन टैपिंग हुआ। मैं तीन की बात नहीं कर रहा हूं। जो चौथा फोन टेपिंग हुआ, उसके बारे में कुछ नहीं आया है कि उसमें क्या चर्चा हुयी? आईपीएल कमिश्नर और भारत सरकार के मंत्री के बीच क्या चर्चा हुयी? ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए। आपकी बात हो गयी। शून्य प्रहर में इतना टाइम नहीं लेते।

â€¦(व्यवधान)

श्री शरद यादव : उस चर्चा का मतलब हिंदुस्तान का जो आईपीएल है, उसमें अय्याशी और लूट का अड्डा है। ...(व्यवधान) शरद पवार जी यहां कह रहे थे कि कमिश्नर ठीक है, लेकिन मुंबई जाकर बदल गए कि कमिश्नर को हटाया जाए। यह कौन सा मेसमेरिज्म है? ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री शरद यादव : इसलिए कानून को ठीक बनाइए और बाहर का कारपोरेट हाउस तो कहता है कि हमने ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आपकी बात होगी, आप बैठ जाइए। शून्य प्रहर में बहुत समय हो गया। अब बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री शरद यादव : आप किसी भी तरह का साफ जवाब देने को तैयार नहीं है। हम प्रधानमंत्री जी से कहना चाहते हैं कि इस पर साफ-साफ जवाब दिया जाए। देश के एक लाख करोड़ रूपए की बात है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : बहुत-बहुत धन्यवाद। आप अपना स्थान ग्रहण करिए।

â€¦(व्यवधान)

DR. M. THAMBIDURAI (KARUR): I may be allowed to associate with the issue raised by the hon. Member.

MADAM SPEAKER: All right.

â€¦(व्यवधान)

DR. RATTAN SINGH AJNALA (KHADOOR SAHIB): Madam, I would like to associate with this...(*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Madam, this is the biggest scam of one lakh crore of rupees...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : श्री राजनाथ सिंह।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : बासुदेव आचार्य जी, आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : तम्बीदुरई जी, बैठ जाइए। अजनाला जी, आप भी बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : जगदंबिका पाल जी, आप अपना स्थान ग्रहण कर लीजिए और राजनाथ सिंह जी को बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप बैठ जाइए। शून्य प्रहर चलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : बहुत से सदस्यों को बोलना है। हम चाहते हैं कि सब लोग बोल लें।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record except what Shri Rajnath Singh says.

*(Interruptions) â€¦ **